रणजीत टाइम्स

इंदौर

शनिवार , 21 जून, 2025

वर्ष 01 | अंक 158 | कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

शाश्वत सत्य की खोज का मार्ग है सहजयोग

दैनिक रणजीत टाइम्स

सहजयोग संस्थापिका परम पूज्य श्री माताजी ने सहजयोग के संबंध में अपनी पुस्तक 'सहजयोग' में वर्णित किया है कि, "सर्वप्रथम जिज्ञासु होकर, वैज्ञानिक दृष्टिकोण से व्यक्ति को इस विषय तक पहुंचना चाहिए। परिकल्पना के समान, सम्मान पूर्वक इस विषय का विवेचन होना चाहिए और परीक्षण करने पर यदि सत्य पाया जाये तो निष्कपटता पूर्वक सचरित्र लोगों द्वारा यह स्वीकार किया जाना चाहिए, क्योंकि यह विषय व्यक्ति के पूर्ण हित के लिए तथा पूरे विश्व के हित लिए है।" सहजयोग ध्यान धारणा द्वारा जब हम आत्मा 'से एकाकार हो जाते हैं तो हमारे क्रिया कलापों को, विचारों को बुद्धि का नहीं वरन् आत्मा का मार्ग दर्शन प्राप्त होता है। हमारी आदतें विचार, उद्देश्य, आवश्यकताएँ परिवर्तित होने लगती है और हम प्रत्येक कार्य में आनन्द का अनुभव करने लगते हैं। सहजयोगी आनंद, प्रेम, करुणा, संगीत, नृत्य व हास्य से भरा हुआ होता है। अतः सहजयोग सामूहिकता द्वारा विकीर्णित चैतन्य लहरियां अविश्वसनीय होती हैं जिन्हें अनेकों बार श्री माताजी के कार्यक्रम में कैमरे ने कैद किया है। जब हम आत्मा के सत्य को समझ लेते हैं तो अनेक प्रकार के डर व भय समाप्त हो जाते हैं। भगवान श्री कृष्ण ने भी आत्मा के सत्य के विषय में कहा है - 'नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि, नैनं दहति पावकः न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुतः ॥ (इस आत्मा को शस्त्र नहीं काट सकते, इसको आग नहीं जला सकती, इसको जल नहीं गला सकता और वायु नहीं सुखा सकती | (भगवद्गीता, अध्याय 2 श्लोक 231) कुण्डलिनी शक्ति जब सहस्त्रार की ओर बढ़ती है तो हमारे भीतर अन्तर्शुद्धि की प्रक्रिया प्रारम्भ हो जाती है हमारे चक्रों नाड़ियों में जो भी दोष होते हैं उनका निवारण प्रारम्भ हो जाता है जिससे अनेक बीमारियाँ स्वतः ही ठीक होने लगती हैं। परंतु सहजयोग केवल समस्याओं के समाधान का विकल्प नहीं बल्कि सत्य की खोज का मार्ग है। सहजयोग आत्मज्ञान को प्राप्त कर आत्मनिरीक्षण द्वारा मनुष्यत्व से देवत्व की ओर उत्थान का योग है। ये नज़दीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 से प्राप्त कर सकते हैं या वेबसाइट sahajayoga.org.in पर देख सकते हैं।

द्रौपदी मुर्मू जीवनी

करियर, परिवार, बेटी, पति, शिक्षा योग्यता, पिछले कार्यालय और अन्य विवरण

दैनिक रणजीत टाइम्स

संघर्षों से भरे जीवन को पार करके, परिवार की कठिनाइयों का सामना करने के बाद द्रौपदी मुर्मू क नाम पर यह गौरव जुड़ गया है। 20 जून को नहामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का जन्मदिन मनाया जा रहा है। जन्मदिन के मौके पर जानते हैं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के जीवन संघर्षों और सफलता की कहानी के बारे में।

प्रतिभा पाटिल के बाद द्रौपदी मुर्मू के रूप में देश को अपनी दूसरी महिला राष्ट्रपति मिली हैं। द्रौपदी मुर्मू दूसरी महिला राष्ट्रपति होने के साथ ही पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति भी हैं। भले ही द्रौपदी मुर्मू आज देश के सर्वोच्च पद पर आसीन हैं, लेकिन इस पद तक पहुंचने के लिए उनका सफर आसान नहीं था। संघर्षों से भरे जीवन को पार करके, परिवार की कठिनाइयों का सामना करने के बाद द्रौपदी मुर्मू के नाम पर यह गौरव जुड़ गया है। 20 जून को नहामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का जन्मदिन मनाया जा रहा है।

द्रौपदी मुर्मू कौन हैं?

राष्ट्रपति पद के लिए होने वाले मतदान में एनडीए की ओर से द्रौपदी मुर्मू का नाम दिया गया है। द्रौपदी मुर्मू उड़ीसा की आदिवासी महिला नेता हैं और झारखंड की गवर्नर रह चुकी हैं

द्रौपदी मुर्मू का जीवन परिचय

द्रौपदी मुर्मू का जन्म ओडिशा के मयूरभंज जिले में 20 जून 1958 को एक आदिवासी परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम बिरंची नारायण टुडू था, जो अपनी परंपराओं के मुताबिक, गांव और समाज के मुखिया थे।

द्रौपदी मुर्मू की शिक्षा

द्रौपदी ने अपने गृह जनपद से शुरुआती शिक्षा पूरी करने के बाद भुवनेश्वर के रामादेवी महिला महाविद्यालय से स्नातक की डिग्री हासिल की। पढ़ाई पूरी होने के बाद एक शिक्षक के तौर पर अपने करियर की शुरुआत की और कुछ समय तक इस क्षेत्र में काम किया।

मुर्मू का जीवन संघर्ष

द्रौपदी मुर्मू का विवाह श्याम चरण मुर्मू से हुआ, जिससे उनके दो बेटे और एक बेटी हुई। बाद में उनके दोनों बेटों का निधन हो गया और पति भी छोड़कर पंचतत्व में विलीन हो गए। बच्चों और पति का साथ छूटना द्रौपदी मुर्मू के लिए कठिन दौर था लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और समाज के लिए कुछ करने के लिए राजनीति में कदम रखा।

द्रौपदी मुर्मू का राजनीतिक करियर

उन्होंने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत ओडिशी से भाजपा के साथ ही की। भाजपा ज्वाइन करने के बाद उन्होंने 1997 में रायरंगपुर नगर पंचायत के पार्षद चुनाव में हिस्सा लिया और जीत दर्ज कराई। भाजपा ने मुर्मू को पार्टी के अनुसूचित जनजाति मोर्चा का उपाध्यक्ष बना दिया। इसके बाद ओडिशा में भाजपा और बीजू जनता दल की गठबंधन की सरकार में साल 2000 से 2002 कर वह वाणिज्य और परिवहन स्वतंत्र प्रभार मंत्री रहीं।

साल 2002 से 2004 तक मत्स्य पालन और पशु संसाधन विकास राज्य मंत्री के तौर पर काम किया

उन्होंने ओडिशा के रायगंज विधानसभा सीट से विधायकी का चुनाव भी जीता। बाद में साल 2015 से 2021 तक झारखंड की राज्यपाल भी नियुक्त हुईं। वह राज्य की पहली महिला गवर्नर बनीं।

योग ने रची है भारतीय संस्कृति
परम पूज्य श्री माता जी

दैनिक रणजीत टाइम्स

प्रागैतिहासिक काल से आज तक योग की पद्धति में नित नए आविष्कार नए परिवर्तन और समस्त मानव जाति के उत्थान के लिए कार्य हुआ है परंतु योग का हमारी भारतीय संस्कृति से क्या 'संबंध है,सहजयोग की फाउंडर श्री माताजी निर्मला देवी जी ने योग और भारतीय संस्कृति के विषय पर व्यापक चर्चा की है। अगर यह जानना चाहे तो पाते हैं कि भारतीय संस्कृति का मूल आधार जो शांति का पोषण करता है वह योग की देन है कारण की जिस विश्व शांति का उद्घोषक भारत रहा है उसे भारतीयों ने बाहर नहीं अपने भीतर खोजा था। शांति की खोज पहले भीतर हुई और फिर वह बाहर फैला। यही परंपरा भारत में योग के द्वारा स्थापित है। प्रथम शरीर, मन, बुद्धि से होते हुए आत्मा तक पहुंचकर आत्मिक शांति की खोज की जाती है और तब मनुष्य विश्व शांति की बात कर सकता है। आक्रोशित आवेशित व्यक्ति की प्रतिक्रिया बढ़ती है। उसका उन पर नियंत्रण नहीं रह सकता। ऐसा व्यक्ति विश्व शांति की बात करने का अधिकारी ही नहीं है। शांति का दूत वही बन सकता है जो जोड़ने की बात करे, एकात्मता की बात करे। इस प्रकार योग भारतीय संस्कृति में भीतर तक रचता बसता है, करुणा भारतीय संस्कृति का श्रृंगार है, यह समर्पण सिखाती है, यह अहंकार प्रति अहंकार भावनाओं के द्वंद से लड़ना सिखाती है इसमें माधुर्य का बड़ा महत्व है। यही आचरण की बात आती है कि यदि हमारा आचरण और व्यवहार मधुर और शांतिपूर्ण होगा तभी हम विश्वशांति के उद्घोषक हो सकेंगे ज्ञान को पाकर मस्तिष्क अहंकारी हो जाता है, प्रगल्भ मस्तिष्क बाहरी खोज के कारण अहंकार से भर जाता है। इसी मस्तिष्क की प्रगल्भता को, मस्तिष्क की गहनता को यदि बाहर से भीतर की ओर उन्मुख कर दें तो यह योग के आत्म साक्षात्कार की जीवंत घटना को प्रकट करती है। इसे ही सहज योग बड़ी सरलता से घटित करता है जिसमें श्री माताजी निर्मला देवी द्वारा मानव जाति को सामूहिक आत्म साक्षात्कार देने की पद्धति अविष्कृत की गई है। सहज योग छोटी-छोटी प्रार्थना उसे मानव मन को बुद्धि की प्रगल्भता से हटाकर करून ने और मधुर बनाकर आत्मा की ओर उन्मुख कर देता है चित्र आत्मा में सरलता से स्थापित करने के लिए यह एक सुंदर और क्षणिक उपाय है जिससे 10 से 15 मिनट में ध्यान की क्रिया घटित हो जाती है। कम समय में अधिक पाने का आधुनिक काल में सहजयोग से सुंदर कोई और तरीका नहीं है। अधिक जानकारी के लिए विजिट करें www.sahajayoga.org.in.

भारतीय किसान संघ के कंछेदी पटेल बने मीडिया प्रभारी

दैनिक रणजीत टाइम्स

गोटेगांव तहसील क्षेत्र के भारतीय किसान संघ के जिला अध्यक्ष संतोष राय एवं अभिषेक पटेल जिला मंत्री एवं गोटेगांव तहसील अध्यक्ष यशवंत पटेल की सहमति से एवं जिला तहसील की सहमति से सभी किसान बंधुओं संघ के विचार विमर्श के बाद से श्री पटेल को गोटेगांव तहसील का मीडिया प्रभारी बनाए जाने पर बहुत-बहुत बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं एवं भारतीय किसान संघ के सभी वर्ग के लोगों में हर्ष व्याप्त है प्रांतीय किसान संघ सदस्य सरदार सिंह पटेल जिला अध्यक्ष संतोष राय जिला मंत्री अभिषेक पटेल गोटेगांव तहसील अध्यक्ष यशवंत पटेल यशवंत पटेल मंत्री एवं किसान संघ के सभी वरिष्ठ युवा ग्राम समितियां एवं ग्राम अध्यक्ष किसान बंधुओ मे हर्ष व्याप्त है।

कुएं में गिरी गाय को युवकों ने एकजुट होकर खुद ही किया रेस्क्यू कोलारस के वार्ड 12 राजापुरा की घटना, गुरुवार रात गिर गई गाय

सुनील नगेले

शिवपुरी जिले के कोलारस कस्बे के वार्ड क्रमांक 12 राजापुरा में गुरुवार रात एक खेत में बने कुएं में गाय गिर गई। शुक्रवार सुबह जब लोगों ने गाय को कुएं में देखा तो आसपास के युवकों ने बिना किसी प्रशासनिक मदद के खुद ही एकजुट होकर रेस्क्यू कर गाय को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। गंगाराम कुशवाह के खेत में बनी यह घटना उस समय सामने आई जब सुबह ग्रामीणों ने कुएं से गाय की आवाजें सुनीं। मौके पर पहुंचे गोविंद कुशवाह, बाडू, पदम, राधे, कमल, अर्जुन, बनबारी और ठाकुरलाल सहित अन्य युवकों ने मिलकर तुरंत रेस्क्यू शुरू किया। गोविंद कुशवाह ने बताया कि पहले दो युवक कुएं में उतरे, फिर उन्होंने रस्सी की मदद से गाय को बांधा और सभी ने मिलकर सावधानीपूर्वक उसे बाहर खींच लिया। गनीमत रही कि गाय को कोई गंभीर चोट नहीं आई और वह पूरी तरह सुरक्षित है।

ध्यान द्वारा योग की पूर्णता सिखाता सहज योग

दैनिक रणजीत टाइम्स

योग जो शरीर मन बुद्धि और आत्मा के एकाकार हो जाने की घटना है जिसमें जोड़ने से योग का तात्पर्य है। यह एक सामूहिक खोज है जिसका वर्तमान स्वरूप सहजयोग है। योग के जो प्रचलित स्वरूप हैं उनमें सूर्य नमस्कार यह ऐसी पद्धति है जो बताती है कि सूर्य पृथ्वी का नियामक तत्व है जिसे नमस्कार करना अपने अहंकार को सूर्य के समक्ष समर्पित करना है क्योंकि वह ज्ञान का प्रतीक है ज्ञान से अहंकार ना हो इसलिए उस ज्ञान को नमन करना और विनम्र बने रहना शीतल बने रहना यही इस सूर्य नमस्कार का अर्थ है। इसी प्रकार विभिन्न आसन और योग की क्रियाएं आसन इसलिए कहीं कहीं गई क्योंकि सुखासन पर स्थिर होकर बैठना ध्यान के लिए सबसे आवश्यक शर्त है। परंतु सुखासन में बैठकर मन और बुद्धि को नियंत्रित करके चित्त को निवृत्तियों की ओर करके आखिर करना क्या है? इसी प्रश्न का उत्तर है आत्मा को पाना-याने आत्मसाक्षात्कार। योग का वास्तविक उद्देश्य है आत्मसाक्षात्कार। जब शरीर, मन और बुद्धि पर विजय प्राप्त करते हैं, उन्हें उपचारित कर लेते हैं, तो आपके लिए आत्मा को पाना सुलभ हो जाता है। इस दिशा में सहज योग एक सरल क्रांतिकारी पद्धति है जिसका प्रादुर्भाव आदिशक्ति श्री माताजी निर्मला देवी के सौजन्य से हुआ है सहज योग को अभिनव अविष्कार कहा जा सकता है क्योंकि यह सामूहिकता में मानवता के उत्थान को करता है इससे पूर्व व्यक्ति अपना व्यक्तिगत उत्थान ही कर पाता था एक समूह में एक साथ अनेक लोगों का उत्थान संभव हुआ जब सहज योग में सामूहिक आत्मसाक्षात्कार की घटना घटित हुई। इसके साथ ही ध्यान का अभ्यास करने वाला व्यक्ति स्वयं अपनी अनुभूति से अन्य व्यक्ति को आत्मसाक्षात्कार दे सके यह भी संभव हुआ। इसका लाभ यह हुआ कि जिस तरह एक साथ बैठकर पूजा की जा सकती है उसी प्रकार एक साथ बैठकर ध्यान भी किया जा सकता है तो घर के सभी सदस्य एक साथ बैठकर अगर ध्यान करते हैं तो समस्त घर का मंगल होता है और नकारात्मकता हटकर पावन सकारात्मकता सभी परिवार के सदस्यों के भीतर एक साथ प्रवेश करती है। सहज योग की पद्धति भारतीय संस्कृति में परिवार और समाज के एक साथ उत्सव मनाने की परंपरा को और भी गहरा करती है। यहां ध्यान एक पारिवारिक उत्सव बन जाता है जिसमें बच्चे, बूढ़े, बड़े सब एक साथ मिलकर इस क्रिया को 10 या 15 मिनट कर ले तो सारी समस्याएं, उलझने, प्रश्न और चिंताएं नियंत्रित की जा सकती है, जीवन को सुखमय बनाया जा सकता है। वास्तव में योग का उद्देश्य भी यही है बाहर से भीतर की यात्रा ध्यान से ही आरंभ होती है। सहज योग इसमें सहायक है। उल्लेखनीय है कि,सहजयोग एक ध्यान की क्रिया है जिसे प.पू माताजी श्री निर्मला देवी द्वारा 5 मई 1970 से आरम्भ किया गया, जो की आज विश्व के 120 देशो में प्रचलित है, सहजयोग से कुंडलिनी जागरण एवं आत्मसाक्षात्कार की अनुभूति की जा सकती है, व जैसे ही कुण्डलिनी का जागरण होता है वैसे ही मानव अपने अंदर परम शांति को अनुभव करता है, उसके विचार शून्य हो जाते है,एवं नियमित ध्यान करने से वह धीरे-धीरे अपने अंदर व्याप्त अनेक बीमारियों एवं विकारो से भी निजात पाता है। देश एवं विदेशो के अनेक वैज्ञानिको ने सहजयोग ध्यान पर शोध किया है, एवं इस ध्यान के माध्यम से परम शान्ति व अनेक बीमारियों एवं विकारो से मुक्ति की पुष्टि की है, इसे हर आयु, धर्म एवं वर्ग के लोग महसूस कर सकते है। आज के इस प्रतियोगी दौर में अत्यधिक तनाव में रहने वाले युवा एवं विद्यार्थी सहजयोग के माध्यम से तनाव दूर कर सुख एवं आनंदमय जीवन व्यापन कर रहे है। सहजयोग का किसी भी विशेष जाति वर्ण एवं धर्म से मतलब नहीं है इसे सभी मानव अनुभव कर सकते है, एवं कर रहे है,यही कारण है कि सहजयोग ध्यान आज भारत के साथ विश्व भर में नियमित अभ्यास किया जा रहा है। इसके माध्यम से विश्व के लाखो लोग अनेक बीमारियों को दूर कर शांति अनुभव कर रहे है। अधिक जानकारी के लिए खोजें www.sahajayoga.org.in

मक्का मदीना से लौटे हाजियों का स्वागत किया हाजियों ने कहा भारत के लिए की दुआ

संस्था सर्व धर्म संघ द्वारा मक्का मदीना हज करके पहुंचे अपने वतन आज हाजियों का स्वागत मंत्री तुलसी सिलावट एवं संस्था अध्यक्ष मंजूर बैग की मौजूदगी में हर फूल से किया गया इस मौके पर हाजी हाजी यूनुस खान हाजी इलियास पहलवान हाजी इलियास खान हाजी फारुख खान ने बताया कि हमने हज के दौरान मक्का मदीने में जियारत कर अपने वतन हिंदुस्तान के लिए एकता भाईचारा हमेशा कायम रहे ऐसी दुआ की सऊदी सरकार को भी धन्यवाद दिया क्योंकि वहां की सरकार ने लाखों हाजियों के लिए जो व्यवस्था की है धन्यवाद के काबिल है स्वागत समारोह में मुख्य रूप से हजरत मौलाना यूनुस खान शकील खान मुकेश बजाज सोहेल पठान रवीश पचौरी समीर बैग नवीन भीलवारे रियाज खान गोलू शेख आदि लोग मौजूद थे-

आपका. मंजूर बैग. संस्था अध्यक्ष 20 जून 2025

उज्जैन में सिंहस्थ के लिए हाईटेक बनेंगे 4 स्टेशन: क्राउड मैनेजमेंट से लेकर फेस रिकॉग्निशन तक, एआई से होगी मॉनिटरिंग

उज्जैन - उज्जैन में 2028 में होने वाले सिंहस्थ कुंभ की तैयारियों की शुरुआत हो गई है। करोड़ों श्रद्धालु उज्जैन पहुंचेंगे, इसलिए भीड़ और सुरक्षा को संभालने के लिए चार रेलवे स्टेशन को हाईटेक बनाया जाएगा। इन स्टेशनों पर फेस रिकग्निशन सॉफ्टवेयर, हाई क्वालिटी सीसीटीवी कैमरे, ड्रोन निगरानी, कंट्रोल रूम और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) जैसी आधुनिक तकनीक लगाई जाएगी। इससे भीड़ को कंट्रोल करना और संदिग्ध लोगों पर नजर रखना आसान होगा।

इन चार स्टेशनों को किया जाएगा हाईटेक

नई खेड़ी, पिंगलेश्वर, चिंतामन और विक्रम नगर स्टेशन को हाईटेक बनाया जाएगा। अगर कोई अपराधी ट्रेन से उज्जैन आता है तो इन तकनीकों की मदद से उसे पहचान कर पकड़ा जा सकेगा। स्टेशन पर तैनात पुलिस और आरपीएफ को खास ट्रेनिंग दी जाएगी।

प्रयागराज कुंभ से मिली सीख

उज्जैन के आईजी उमेश जोगा और अन्य अधिकारी प्रयागराज कुंभ में जाकर वहां की व्यवस्थाएं देखने गए थे। उसी अनुभव के आधार पर उज्जैन सिंहस्थ की योजना बनाई जा रही है। मुंबई और उज्जैन के वरिष्ठ अफसरों की बैठक में तय किया गया कि अगले दो साल में इन चार स्टेशनों को पूरी तरह आधुनिक बना दिया जाएगा। इस बैठक में उज्जैन आईजी उमेश जोगा, आरपीएफ मुंबई के आईजी अजय सदानी, डीआईजी नवनीत भसीन, एसपी प्रदीप शर्मा और अन्य अधिकारी शामिल हुए। बैठक में यह भी तय हुआ कि सिंहस्थ के दौरान भीड़ नियंत्रण, सुरक्षा, ट्रैफिक और आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए पहले से तैयारी की जाएगी, ताकि श्रद्धालुओं को कोई परेशानी न हो।

"मरने के बाद भी अगर कोई साथ देता है तो वो फरिश्ता होता है, इंसान नहीं"

सुल्ताने इंदौर एकता सेवा समिति – वो फरिश्ते, जो लाशों से भी रिश्ता निभाते हैं

इंदौर, मध्यप्रदेशः कभी सोचा है... जब किसी सड़क किनारे एक लाश पड़ी हो, बदबू से कोई पास न जाए, तब कौन उठाता है वो लाश? कौन उसे कफन देता है? कौन उसके सिरहाने खड़ा होता है जब उसे दुनिया ने ठुकरा दिया होता है? उसका कोई नहीं होता... मगर एक संस्था होती है – "सुल्ताने इंदौर एकता सेवा समिति"।

ये लोग अंतिम विदाई को अंतिम इज़्ज़त बनाते हैं 1978 से लेकर आज तक, इस संस्था ने 11500 लावारिस शवों को कंधा दिया है। वो लाशें जिनके लिए न मां रोई, न बेटा आया, न पत्नी ने आँसू बहाए... मगर इस संस्था के लोगों ने उन्हें "इंसान" समझकर वो सम्मान दिया, जो शायद जीते जी भी नहीं मिला। कई बार तो 3 दिन पुरानी सड़ी हुई लाशें उठानी पड़ींबदबू से सांस रुकने लगी आंखें जलने लगीं मगर पीछे नहीं हटे क्यों? क्योंकि उनके लिए ये सेवा नहीं, इबादत है। कहते हैं मौत के बाद सब कुछ खत्म हो जाता है लेकिन यहां से कुछ शुरू होता है

जहां हर कोई आंखें फेर लेता है, – "कोई अपना नहीं है", वहां ये लोग कहते हैं – "हम हैं इंसानियत के नाते" कलीम पठान साहब ने इस संस्था की नींव रखी थी, और अब उनका बेटा करीम पठान उसी रास्ते पर चल रहा है।

उनके साथ हैं: – जयदीप जोशी – फिरोज पठान – सुरेश मोरे – रिंकू ठाकुर – आदिल शेख ये लोग रात के 2 बजे हों या दोपहर की चिलचिलाती धूप – जब भी कोई बेसहारा मौत को गले लगाए, ये फरिश्ते कंधा देने पहुंच जाते हैं।

गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड का सम्मान संस्था को हाल ही में "लावारिस शवों की सबसे बड़ी संख्या में अंतिम संस्कार" के लिए गोल्डन बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया – मगर उनके लिए ये रिकॉर्ड नहीं, रूह की सुकून है। केवल मृतकों के नहीं, जीवितों के भी मददगार हैं ये लोग

– बेसहारा बुजुर्गों को आश्रय
– गरीबों को दवा और इलाज
– भूखों को खाना
– अकेलेपन को अपनापन

कोई धर्म नहीं देखा, कोई जाति नहीं पूछी
हर पीड़ित को इंसान समझकर गले लगाया।
एक बार सोचिए
अगर आप मर जाएं और कोई न हो
तो क्या आप नहीं चाहेंगे कि कोई आपको इज़्ज़त से कफन दे?

ये संस्था यही कर रही है दिन-रात निःस्वार्थ निस्वार्थ
अब आपकी बारी है इंसानियत की लौ जलाए रखने की

एक रोटी का दान करें
एक चादर, एक कफन, एक इलाज
या सिर्फ एक दुआ एक प्रार्थना

क्योंकि अगर किसी अनजान की लाश को कंधा देने वाला कोई है, तो वो खुदा का सबसे बड़ा बंदा है।

थाली में परोसी मछली मरने से पहले कैसे तड़पती है, रिसर्च में खुली दर्दनाक सच्चाई!

रणजीत टाइम्स विशेष

हाल ही में किए गए एक चौंकाने वाले वैज्ञानिक अध्ययन ने मछली प्रेमियों के लिए सोचने पर मजबूर कर देने वाला सच सामने रखा है। इस शोध में बताया गया है कि इंसानों के खाने के लिए पकड़ी जाने रेनबो ट्राउट जैसी मछलियां मरने से पहले करीब 2 से 20 मिनट असहनीय दर्द झेलती हैं। यह खुलासा मशहूर विज्ञान पत्रिका 'साइंटिफिक रिपोर्ट्स' में प्रकाशित हुआ है। रिसर्च के मुताबिक को मारने के लिए आम तौर पर जो तरीका अपनाया जाता है, उसमें पानी से निकालकर हवा में छोड़ दिया जाता है, जिससे उनकी घुटने से होती है। इस दौरान मछलियां लंबे समय तक तड़पती रहती है इतना ही नहीं, कुछ जगहों पर मछलियों को बर्फ के पानी में डालकर मारा जाता है, लेकिन यह तरीका भी उनके लिए और ज्यादा तकलीफदेह साबित हो रहा है। अब वैज्ञानिकों ने इस क्रूरता को कम करने के लिए समाधान भी सुझाया है।

हवा में दम घुटना बनता है मौत का कारण

मछलियों को मारने की सबसे सामान्य तकनीक होती है एयर एस्फीक्सिएशन, यानी पानी से निकाल कर उन्हें हवा में छोड़ देना। इस दौरान मछली धीरे-धीरे ऑक्सीजन की कमी से मरती है। शोध में बताया गया कि इस प्रक्रिया में रेनबो ट्राउट को करीब 10 मिनट तक असहनीय दर्द झेलना पड़ता है।

सिर्फ 1 मिनट में शुरू हो जाती है तकलीफ

अध्ययन ने साफ किया कि मछलियां पानी से बाहर निकलने के सिर्फ एक मिनट बाद ही गहरे तनाव में चली जाती हैं। उनके शरीर में पानी और मिनरल का संतुलन बिगड़ जाता है और पीड़ा और बढ़ जाती है। अन्य मुश्किलें जैसे भीड़भाड़ या पकड़ना, इस दर्द के सामने कुछ भी नहीं हैं।

बर्फ में डालना और भी ज्यादा क्रूर

कई जगह मछलियों को मारने के लिए उन्हें बर्फ के पानी में फेंक जाता है, ताकि वे ठंड से धीरे-धीरे मरें। पर ये तरीका भी उतना ही अमानवीय साबित हुआ। ठंडा पानी मछली के मेटाबॉलिज्म को धीमा कर देता है और वे और ज्यादा देर तक होश में रहकर तड़पती हैं।

दर्द कम करने वाला तरीका

इस रिसर्च में एक मानवीय विकल्प भी सुझाया गया - इलेक्ट्रिक स्टनिंग। यानी मछली को बिजली के झटके से तुरंत बेहोश करना। इससे दर्द का अहसास काफी घट सकता है। शोधकर्ताओं के मुताबिक, हर खर्च किए डॉलर से कई घंटे की पीडा घटाई जा सकती है

दर्द कम करने वाला तरीका

इस रिसर्च में एक मानवीय विकल्प भी सुझाया गया - इलेक्ट्रिक स्टनिंग। यानी मछली को बिजली के झटके से तुरंत बेहोश करना। इससे दर्द का अहसास काफी घट सकता है। शोधकर्ताओं के मुताबिक, हर खर्च किए डॉलर से कई घंटे की पीड़ा घटाई जा सकती है।

इंसानियत दिखाएं तकनीक अपनाएं

शोध के सह-लेखक व्लादिमीर अलोंसो ने कहा कि ये अध्ययन 'वेलफेयर फुटप्रिंट फ्रेमवर्क' पर आधारित है, जो पशु कल्याण को आंकने का पारदर्शी तरीका है। इसके जरिए दुनियाभर में मारी जाने वाली खरबों मछलियों की मौत को कम पीड़ादायक बनाया जा सकता है। ये दुनिया को ये समझने में मदद करता है कि स्वाद के पीछे छिपा दर्द कैसे कम किया जाए और भोजन में मानवीयता कैसे लाई जाए।

कोलारस में एमपी जर्नलिस्ट संगठन की महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न, विपिन मित्तल बने कोलारस ब्लॉक अध्यक्ष

दैनिक रणजीत टाइम्स

कोलारस (शिवपुरी)।

एमपी जर्नलिस्ट संगठन के विस्तार को लेकर कोलारस के स्नेह बिहारी गार्डन, रेलवे स्टेशन रोड पर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संगठन के जिला अध्यक्ष जितेंद्र रघुवंशी ने अपनी जिला कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए कोलारस के लिए ब्लॉक अध्यक्ष पद की घोषणा की, जिसमें सर्वसम्मति से युवा पत्रकार विपिन मित्तल को कोलारस ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त किया गया। मंच का संचालन पत्रकार अनंत सिंह जाट द्वारा कुशलतापूर्वक किया गया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष जितेंद्र रघुवंशी ने कहा, "पत्रकारिता लोकतंत्र की रीढ़ है और संगठन पत्रकारों की आवाज़ को मज़बूती से उठाने का काम करेगा। हम सभी को एकजुट रहकर निष्पक्ष पत्रकारिता को आगे बढ़ाना है।" उन्होंने नव नियुक्त टीम को शुभकामनाएं दीं और संगठन के उद्देश्यों की जानकारी दी।

वरिष्ठ पत्रकार हरीश भार्गव ने अपने उद्बोधन में कहा, "पत्रकारों को सत्यनिष्ठा और निडरता के साथ कार्य करना चाहिए। संगठन उन्हें एकजुट करता है और ताकत देता है।" वरिष्ठ पत्रकार मुकेश रघुवंशी ने कहा, "युवा पत्रकारों को

मार्गदर्शन और मंच देने के लिए संगठन प्रतिबद्ध है। हम सबका दायित्व है कि उन्हें सही दिशा दें।" बैठक में जिला पदाधिकारी विकास दंडोतिया, केदार सिंह गोलिया , नीरज जाटव (छोटू) सहित धर्मेंद्र जाटव, अरशद अली, सादा पठान, खालिद पठान, नंदा बंसल, दीपक बत्स, अशोक चौबे, बिशोक व्यास, राजू कुशवाह, रवि सेन, रोहित माहुने, विनोद सिकरवार, ऋषि गोस्वामी, हेमंत धाकड़, मुकेश बैरागी, कान्हा परिहार, मुकेश गौड, हर्ष कुलश्रेष्ठ, नंदकिशोर बंसल, अरविंद धाकड़, अजय दांगी, प्रदीप धाकड़ आदि पत्रकारगण शामिल रहे। नव नियुक्त पदाधिकारियों को संगठन के वरिष्ठों द्वारा पुष्पगुच्छ एवं माल्यार्पण कर बधाई दी गई। बैठक उपरांत हुआ भोज का आयोजन कार्यक्रम के समापन के पश्चात पत्रकारों के लिए एक सामूहिक भोज का आयोजन किया गया, जिसमें सभी अतिथियों ने स्नेहपूर्वक सहभागिता की।

विपिन मित्तल ने जताया संगठन के प्रति आभार

नव नियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष विपिन मित्तल ने कहा, "यह मेरे लिए गर्व का क्षण है। संगठन ने जो विश्वास मुझ पर जताया है, मैं उस पर खरा उतरने का हरसंभव प्रयास करूंगा। पत्रकारों की समस्याओं के समाधान और निष्पक्ष पत्रकारिता को बढ़ावा देने के लिए मैं सदैव तत्पर रहूंगा।"

विकसित भारत संकल्प सभा एवं चौपाल का आयोजन

दैनिक रणजीत टाइम्स

गोटेगांव तहसील भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा "11 साल बेमिसाल" कार्यक्रम के तहत विकसित भारत संकल्प सभा एवं चौपाल का आयोजन किया गया आयोजन विगत दिनांक 20 जून को नगर मण्डल गोटेगांव के गुरुनानक वार्ड में बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं द्वारा किया गया जिसमें केंद्र एवं प्रदेश सरकार की योजनाओं की जानकारी नागरिकों को दी गई इस दौरान नेमचंद जैन इंजी.दीपक खरिया उपेंद्र तिवारी चंद्रशेखर कहार अनिल श्रीवास्तव राजेश कहार गोविंद कहार आदर्श केवट जय चौरसिया टीनू महाराज एवं अन्य कार्यकर्ताओं की उपस्थित रहे।

समलैंगिक है सोनम...

राजा के घर वालों को ''अलका'' पर शक

राजा रघुवंशी हत्याकांड में जहां नित नए खुलासे हो रहे हैं, तो इसको लेकर तरह-तरह के ''दावों की बौछारें'' भी जारी हैं... इन्हीं दावों में से एक यह भी सामने आया कि राजा रघुवंशी हत्या के आरोप में गिरफ्तार उसकी पत्नी सोनम रघुवंशी के ''समलैंगिक संबंध'' हो सकते हैं... यह दावा और किसी ने नहीं, बल्कि राजा रघुवंशी के ज्योतिषाचार्य अजय दुबे का है... खबरों के अनुसार, उनके इस दावों पर राजा का परिवार इसलिए भी विश्वास करता है क्योंकि इस हत्याकांड को लेकर दुबे ने पूर्व में जो दावे किए थे वह सही निकले... उक्त ज्योतिषाचार्य ने राजा की हत्या के बाद ही परिवार को बता दिया था कि सोनम सलामत है और उत्तर दिशा में है... अब उक्त ज्योतिषाचार्य का दावा है कि सोनम की हत्या में दो और महिलाओं का हाथ रहा, जिसमें सोनम तो सामने आ गई, वहीं दूसरी का खुलासा भी जल्द होगा... वे राजा के परिजनों को बताते हैं कि सोनम के उसकी सहेली से समलैंगिक संबंध हो सकते हैं, उसे लड़कियों में दिलचस्पी है, ऐसा सोनम की कुंडली बता रही है... वहीं ज्योतिषाचार्य अजय दुबे का तो यहां तक दावा है कि सोनम के परिवार ने राजा के परिवार को धोखे में रखा... कुंडली में मृत्युभोग था, जिसकी जानकारी सोनम के परिवार ने छुपाई... अगर राजा के परिवार को मृत्युभोग की जानकारी दी जाती तो इसके उपाय किए जाते और आज ये दिन न देखना पड़ते... दुबे का दावा है कि सोनम का पिछले 2 साल से प्रेम प्रसंग चल रहा था और वह बहुत अड़ियल और जिद्दी लड़की है... उसकी कुंडली में राहु का योग था इसलिए वो जो चाहती थी वह करती भी थी... सोनम की कुंडली बताती है कि उसे जो हासिल करना होता है उसके वह किसी भी हद तक जा सकती थी...

अलका है सोनम की बचपन की दोस्त... राजा का भाई बोला - उसका भी करवाओ नार्को टेस्ट!

ज्योतिषाचार्य दुबे के इस दावे के बाद राजा के बड़े भाई विपिन रघुवंशी ने मीडिया से कहा कि सोनम के परिवार ने अलका के विषय में भी जानकारी छुपाई है... अलका सोनम की ना सिर्फ बचपन की दोस्त है, बल्कि वह उसकी राजदार भी हो सकती है... राजा के परिवारजनों को यहां तक शक है कि अलका भी इस हत्याकांड की साजिश में शामिल हो सकती है... उनकी मांग है कि पुलिस को अलका को भी जांच में शामिल कर उसका भी नार्को टेस्ट करवाना चाहिए, ताकि सच सामने आ सके... हालांकि मेघालय (शिलांग) पुलिस ने अब तक अलका के बारे में कोई बात नहीं की... वहीं इस हत्याकांड को लेकर एसआईटी ने भी कई पहलुओं पर जांच में रफ्तार पकड़ी है और अब अलका का नाम सामने आने के बाद पुलिस इस पहलू पर भी अपनी पड़ताल शुरू कर सकती है..!

''सोनम से खुद सुनूंगी... राजा को मारने की वजह''

इधर, अपने बेटे को खोने के बाद से राजा की माँ उमा रघुवंशी का हाल बुरा है और वे राजा को याद करते हुए अचानक रो पड़ती हैं... वे कहती हैं - ''सोनम ने मेरे बेटे को क्यों मारा..? उससे, उसके दोस्तों और सभी करीबियों से विस्तार से पूछताछ होनी चाहिए... आखिर मेरे बेटे का कसूर क्या था..? जब तक मैं खुद इसका जवाब सोनम के मुंह से नहीं सुनूंगी, मुझे चैन नहीं मिलेगा..!''

अनवर कादरी के खिलाफ इंदौर नगर निगम से बड़ा एक्शन डिमांड

"देशद्रोह के आरोपों में घिरे पार्षद अनवर कादरी को पद हटाने की सिफारिश... महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने संभाग आयुक्त को पत्र लिखकर की कार्रवाई की मांग!" FIR, पुराने आपराधिक रिकॉर्ड और हालिया साम्प्रदायिक नारेबाजी के आरोपों का हवाला 'लव जिहाद' को बढ़ावा देने और फंडिंग देने का भी आरोप शहर में बढ़े तनाव और

प्रदर्शन का उल्लेख पार्षद भारतसिंह रघुवंशी सहित भाजपा पार्षदों ने की अपील समिति के माध्यम से शिकायत महापौर ने एमपी नगर पालिका अधिनियम 1956 के तहत कादरी को तत्काल बर्खास्त करने की मांग रखी।

सावन के महीने में निकलेगी महाकाल की शाही सवारी

उज्जैन : उत्सव सोनी

सावन के पावन महीने में मध्य प्रदेश की धार्मिक नगरी उज्जैन में धूम मचने वाली है। महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग की शाही सवारी की तैयारी की जा रही है, जो 11 जुलाई से 9 अगस्त तक चलेगी। इस दौरान उज्जैन के कोने-कोने में भक्तिमय माहौल होगा और लाखों की संख्या में अलग-अलग जगहों से भक्त उज्जैन पहुंचेंगे।

सावन सोमवार का महत्व

सावन के हर सोमवार को महाकाल की भव्य सवारी निकाली जाती है, जो एक शक्तिशाली आध्यात्मिक अनुभव है। खासकर महाकाल की अंतिम शाही सवारी अपनी भव्यता के लिए जानी जाती है।

महाकाल की शाही सवारी का शेड्यूल

- पहली सवारीः 14 जुलाई- दूसरी सवारीः 21 जुलाई
- तीसरी सवारीः 28 जुलाई
- चौथी सवारीः 4 अगस्त
- पांचवीं सवारीः 11 अगस्त
- छठी सवारीः 18 अगस्त

महाकाल की शाही सवारी का मार्ग

भगवान महाकाल की सवारी को मंदिर के द्वार पर 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया जाएगा। सवारी के आरंभ के बाद, सवारी अपने पारंपरिक मार्ग यानी महाकाल चौराहा, गुदरी चौराहा, बक्शी बाजार और कहारवाड़ी से होते हुए रामघाट पहुंचेगी। रामघाट पर, भगवान महाकाल को शिप्रा नदी के पवित्र जल से स्नान कराया जाएगा और पूजा-अर्चना की जाएगी। इसके बाद, सवारी रामानुजकोट, मोढ़ की धर्मशाला, कार्तिक चौक, खाती का मंदिर, सत्यनारायण मंदिर, ढाबा रोड, टंकी चौराहा, छत्री चौक, गोपाल मंदिर, पटनी बाजार और गुदरी बाजार से होते हुए श्री महाकालेश्वर मंदिर वापस आएगी।

खगोलशास्त्रियों का तीर्थ बनेगा उज्जैन

काल गणना के लिए डोंगला में 'जंतर मंतर' तैयार

उज्जैन : उत्सव सोनी

यहां सूरज की छाया रुक जाती है... आज सीएम करेंगे वेधशाला का उद्घाटन

महाकाल की नगरी उज्जैन अब खगोल शास्त्रियों का तीर्थ भी बनने जा रही है। उज्जैन के पास डोंगला गांव में देश की छठी वेधशाला तैयार है। इस स्थान पर हर साल 21 जून को दोपहर 12:28 बजे सूर्य की किरणें इतनी लंबवत होती हैं कि छाया तक नहीं बनती। खगोलशास्त्र में इसे शून्य छाया बिंदु कहते हैं। इसी खगोलीय विशेषता के कारण डोंगला को भारत के नए टाइम रेफरेंस प्वाइंट के रूप में विकसित किया जा रहा है। इस समय की गणना के लिए यहां देशभर से खगोलशास्त्री, पंचांगकार, वैज्ञानिक और छात्रों का मेला लगता है। वैज्ञानिक विधि से समय और काल निर्धारण किया जाता है, जो पंचांग में उपयोग होता है। अब यहां 50 बीघा में वराहमिहिर खगोलीय वेधशाला तैयार है। जयपुर, दिल्ली, बनारस, उज्जैन और मथुरा के बाद डोंगला को देश का छठा 'जंतर-मंतर' कहा जा रहा है। शनिवार 21 जून को सीएम डॉ. मोहन यादव इसका लोकार्पण करेंगे।

प्रदेश की सबसे लंबी टेलीस्कोप भी

▪ इसके अलावा यहां 20 इंच व्यास की प्लेनवेव दूरबीन लगी है, जो सौर मंडल से लेकर सुदूर तारों तक की निगरानी कर सकती है। यह प्रदेश की सबसे लंबी दूरबीन है।

शोध, शिक्षा और ज्योतिष का संगम यहां 200 सीट वाला आधुनिक ऑडिटोरियम है। साथ ही, चिंतक मोरोपंत पिंगले की प्रेरणा से स्थापित सरस्वती विद्या मंदिर में प्राथमिक कक्षाओं से ही खगोल विज्ञान पढ़ाया जा रहा है। 1972 से शुरू हुई खोज, अब पूरी दुनिया की नजर साल 1972 में पद्मश्री डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर ने पहले पाया कि उज्जैन से गुजरने वाली कर्क रेखा और पारंपरिक शून्य देशांतर रेखा अब डोंगला की ओर खिसक चुकी हैं। इस पर उन्होंने बेंगलुरु की एस्ट्रोनॉमिकल सोसाइटी से उपग्रह चित्र मंगवाए और 1985 में डोंगला को कर्क रेखा के नए बिंदु के रूप में चिह्नित किया। डॉ. वाकणकर के शिष्यों और खगोल वैज्ञानिकों ने इस शोध को आगे बढ़ाया। वर्ष 1990 में चिंतक मोरोपंत पिंगले और बाद में सुरेश सोनी के प्रयासों से डोंगला को एक वैज्ञानिक केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा तय हुई। यहां जल्द ही कर्कराजेश्वर मंदिर की स्थापना होगी। इसके अलावा एक हेलीपैड भी बनाया जा रहा है। नक्षत्र वाटिका का विकास जैसी योजनाएं पूरी होंगी, जिससे डोंगला न केवल खगोल विज्ञान का बल्कि आध्यात्मिक और सांस्कृतिक ध्रुव भी बन सके। डोंगला अब राष्ट्रीय पंचांग निर्माण का मानक केंद्र है। यहां से हर साल ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति, तिथियां और त्योहार तय किए जाते हैं। महाराष्ट्र में प्रचलित 'कालनिर्णय' कैलेंडर और अन्य पंचांग भी उज्जैन मेरिडियन को आधार मानते हैं। यहां 5 यंत्रों से होगा ग्रहों की दिशा सौर समय का अध्ययन * यह वेधशाला, प्लेनवेव दूरबीन व प्राचीन यंत्रों का अद्भुत समन्वय है। * शंकु यंत्र- सूर्य की छाया से समय और अक्षांश तय करने वाला छड़ीनुमा यंत्र। * भित्ति यंत्र- उत्तर-दक्षिण दिशा में दीवार जैसा यंत्र, जिससे सूर्य-चंद्रमा की ऊंचाई मापी जाती है

* सम्राट यंत्र- विशाल त्रिकोणाकार घड़ी, जो सौर समय बताती है

* नाड़ी वलय यंत्र- ग्रहों की दिशा व गति को मापने वाला पारंपरिक यंत्र।

* भास्कर यंत्र - गोलाकार यंत्र जो पृथ्वी के झुकाव और ध्रुव तारे की स्थिति दर्शाता है।

तबादला सीजन में मंत्रियों, अफसरों में खुला विरोध उजागर

ब्रेन ट्यूमर-कैंसर ही गंभीर बीमारी माना, प्रमुख सचिवों ने मंत्रियों की लिस्ट में की भारी काट-छांट

भोपाल : उत्सव सोनी

प्रदेश में 47 दिनों तक तबादले का समय मिलने के बाद कई विभागों ने समय पर ट्रांसफर लिस्ट जारी नहीं की है। इसमें स्कूल शिक्षा विभाग का नाम सबसे ऊपर है। जिसके चलते मुख्यमंत्री ने सात दिन का अतिरिक्त समय सभी विभागों को दिया था। तबादला सीजन में मंत्रियों और प्रमुख सचिवों व विभागाध्यक्षों के बीच तालमेल की कमी भी खुलकर सामने आई है। तबादले के लिए तमाम मनुहार कर बैन हटवाने वाले मंत्रियों को मनमाफिक तबादला आदेश जारी कराने का मौका नहीं मिल सका है। अफसरों ने इसके लिए सरकार के नियमों को भी दरकिनार किया है। कई विभागों में आठ फीसदी तक तबादले नहीं हो पाए हैं। वहीं कई विभागों द्वारा अब बैकडेट में तबादला आदेश जारी किए जा रहे हैं। 17 जून को तबादले की समय सीमा खत्म हो गई है लेकिन विभागों द्वारा तबादला आदेश जारी करने का सिलसिला अभी जारी है। ये आदेश 17 जून की डेट में जारी हो रहे हैं। राजस्व विभाग ने 509 पटवारियों का तबादला करने के बाद 89 पटवारियों की दूसरी तबादला सूची 18 जून की आधी रात जारी की है और अभी कुछ सूची जारी करने की तैयारी है। खनिज साधन विभाग ने भी अपनी सूची 18 जून को ही जारी की है।

मंत्री प्रहलाद पटेल की नहीं चली तबादले में, हार्ट के मरीज को गंभीर बीमार नहीं मानते अफसर

प्रहलाद पटेल मोहन कैबिनेट के कद्दावर मंत्रियों में गिने जाते हैं लेकिन 47 दिन के तबादला एक्सप्रेस में अफसरों ने उनकी नहीं सुनी। तबादला आदेश जारी करने के दौरान अफसरों ने यह कहकर मंत्री के यहां से आए नाम रिजेक्ट कर दिए कि तीन फार्मूले में फिट नहीं बैठते। ये फार्मूले पारस्परिक तबादला, गंभीर बीमारी कैंसर या ब्रेन ट्यूमर तथा तीसरा महिला का अपने परिवार से दूर पदस्थ होना बताया गया। इसके बाद मंत्री के यहां से आए तबादले नहीं किए गए। वहीं दूसरी ओर इस फार्मूले से इतर तबादले आजीविका मिशन, आरईएस, पंचायत राज समेत अन्य विभागाध्यक्ष कार्यालयों में खुलकर किए गए। विभागाध्यक्षों ने गंभीर बीमारी की नई परिभाषा तय कर दी है कि अब हार्ट या अन्य किसी तरह की बीमारी को गंभीर नहीं माना जाएगा, अगर किसी को ब्रेन ट्यूमर या कैंसर होगा, तभी उसे गंभीर बीमार माना जाएगा।

राजस्व विभाग में हुए सिर्फ ढाई प्रतिशत तबादले, पीएस ने नहीं सुनी मंत्री की

राजस्व विभाग में दस प्रतिशत तबादले किए जाने थे लेकिन प्रमुख सचिव विवेक पोरवाल और आयुक्त भू अभिलेख अनुभा

श्रीवास्तव ने मंत्री करण सिंह वर्मा की नहीं सुनी। मंत्री ने जो सूची भेजी, उसमें भारी काट-छांट करते हुए प्रमुख सचिव और सीएलआर ने नाम मात्र तबादले किए हैं। इसी कारण मंत्री प्रमुख सचिव से खासे नाराज भी हैं। बताया जाता है कि राजस्व विभाग में तहसीलदार, प्रभारी तहसीलदार और नायब तहसीलदार, प्रभारी नायब तहसीलदार, पटवारी के सिर्फ ढाई प्रतिशत ही तबादले किए गए हैं। मंत्री द्वारा सीएम से शिकायत किए जाने के बाद अब अंतिम दौर में यह आंकड़ा चार प्रतिशत तक पहुंच सकता है।

जिसके कारण सभी विभागों की तबादला डेट बढ़ी वही जारी नही कर पाया सूची

तबादले को लेकर सबसे अधिक तवज्जो सरकार ने स्कूल महकमे को दी। इसी महकमे के कारण दूसरे विभागों को सात दिन का अतिरिक्त समय सरकार ने तबादलों के लिए दे दिया लेकिन यह विभाग अब तक तबादला सूची जारी नहीं कर पाया। लोक शिक्षण आयुक्त शिल्पा गुप्ता, यहां पदस्थ संचालक केके द्विवेदी व अन्य इस मामले में कोई बात नहीं करना चाहते, मंत्री ने सिफारिशों से परेशान होकर मोबाइल बंद कर लिया है। विभाग के सचिव डॉ संजय गोयल कहते हैं कि जितने तबादले होने थे वह हो गए हैं। डॉ गोयल इस बात को भी नकारते है कि पोर्टल में कोई दिक्कत हुई है जिसके कारण तबादला आदेश जारी करने में देरी हुई है। हालांकि स्कूल शिक्षा विभाग में तबादला आदेश ऑनलाइन दिखाई नहीं दे रहे हैं।

जनजातीय कार्य विभाग ने एक दिन बाद जारी किए आदेश पर तारीख सही डाली

तबादलों के लिए सरकार ने टाइम लिमिट 17 जून तय की थी। जनजातीय कार्य विभाग ने इस अवधि तक सभी तबादला आदेश जारी नहीं किए और कई आदेश एक दिन बाद जारी किए। ऐसे में 17 जून को जारी आदेश तो उसी डेट में जारी हुए लेकिन इसके बाद हुए तबादलों के आदेश बैकडेट में जारी करने के बजाय उसी डेट में जारी हुए जिस डेट में आदेश हुए। ये सभी आदेश 18 जून की डेट में जारी किए गए हैं। विभाग ने तबादले संबंधी 62 आदेश जारी किए हैं। शुरुआत में मंत्री विजय शाह के पास फाइलें नहीं जाने के चलते इस विभाग के आदेश देरी से जारी हुए हैं।

ऊर्जा विभाग में भी सब कुछ ठीक नहीं, सबके सामने नाराजगी जता चुके मंत्री

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के विभाग का भी कुछ ऐसा ही हाल है। अपर मुख्य सचिव स्तर के अधिकारी उनके विभाग प्रमुख हैं जिन्होंने मंत्री के यहां से आए नामों को तवज्जो नहीं दी। इसके चलते एसीएस समेत बिजली कम्पनी के एमडी पर पर काबिज अफसरों से मंत्री नाराज हैं। उन्होंने अपनी नाराजगी पिछले दिनों कैबिनेट में भी जताते हुए कहा था कि नया-नया कार्यकर्ता पार्टी में आया है। उनके काम थे। जो भी नाम अफसर को दिए, उन्होंने नहीं किए। पार्टी के मैदानी कार्यकर्ता हैं। काम नहीं हुए तो अब कांग्रेस के लोग उन्हें भड़का रहे हैं कि देखा, तुम्हारे काम नहीं हुए। बेइज्जती हो रही है।

जल संसाधन विभाग में मंत्री के अनुमोदन के बाद जोड़ दिए नए नाम

उधर जल संसाधन विभाग में एक अलग तरह का ही कारनामा सामने आया है। यहां सहायक ग्रेड कैडर के कर्मचारी ने विभाग के मंत्री द्वारा अनुमोदित की गई तबादला सूची में सीरियल नम्बर 18 पर नया नाम जोड़कर सूची जारी कर दी। इसका पता चलने के बाद प्रमुख अभियंता जल संसाधन विभाग विनोद देवड़ा ने कर्मचारी को संबंधित शाखा से हटाने के साथ उसे नोटिस जारी कर तीन दिन में जवाब तलब किया है। यह मामला तो पकड़ में आ गया पर कई अन्य विभागों में ऐसी स्थिति बनने से इनकार नहीं किया जा सकता है।

स्वास्थ्य मंत्री के बंगले पर नोटिस रहा चर्चा में

उधर डिप्टी सीएम और लोक स्वास्थ्य व चिकित्सा शिक्षा मंत्री राजेंद्र कुमार शुक्ल ने तबादलों से किनारा कर रखा था। उनके बंगले व दफ्तर में तबादले संबंधी आवेदन लेने में भारी ना नुकर की जाती रही और इसके लिए नोटिस भी चस्पा कर रखा गया था। तबादलों में अफसरों की मनमर्जी को देखते हुए शुक्ल ने चुनिंदा मामलों को छोड़ बाकी में सूची से किनारा कर रखा था।

हाटपीपल्या से संजय प्रेम जोशी की रिपोर्ट

हाटपीपल्या दुग्ध समिती द्वारा एक सादे समारोह में अनुग्रह योजना के अन्तर्गत संस्था के अध्यक्ष स्व श्री मनोहर लाल तंवर के निधन के उपरांत उनके सुपुत्र रणजीत तंवर को संस्था द्वारा 20000 (बीस हजार) का चैक दिया गया , . साथ ही श्री बंशीलाल एवं अक्षय संजय जोशी को जननी सुरक्षा योजना के अंतर्गत पुत्री के जन्म पर संस्था द्वारा पांच-पांच किलो घी भी दोनो सदाऱ्यों को दिया गया जिसे लाभान्वित ने इस योजना की सराहना की ,इस अवसर पर संस्था के उपाध्यक्ष देशराज धनगर, वरिष्ठ संचालक अजय प्रेम जोशी, देवेन्द्र पटेल, जितेन्द्र सिंह दरबार , शंकरलाल रलौति, बाबुलाल अजमेरा, लायसं क्लब अध्यक्ष संजय प्रेम जोशी, संस्था सचिव संतोष पंचोली, मिश्रीलाल माली, शैलेन्द्र सेन्धव , लोकेन्द्र हरनिया, रवि तंवर,धर्मेन्द्र रलौति, गोविन्द बराया सहित कई सदस्यगण मौजुद थे ।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर इंदौर के राजवाड़ा में केंद्रीय संचार मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और नगरीय प्रशासन तथा आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय के मुख्य आतिथ्य में सामूहिक योग का कार्यक्रम हुआ।

इंदौर की स्वच्छता व्यवस्था से प्रभावित हुआ छत्तीसगढ़ से आया प्रतिनिधिमंडल

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने किया दल का स्वागत, साझा किए 'क्लीन-ग्रीन-सोलर-डिजिटल' इंदौर के मॉडल

अंतिम युद्ध- विनोद गोयल

इंदौर, शुक्रवार को इंदौर नगर निगम के स्वच्छता और नवाचार मॉडल को देखने-समझने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ से दो दिवसीय दौरे पर इंदौर आए अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों के एक उच्च स्तरीय दल ने शुक्रवार को शहर का दौरा किया। इस एक दिवसीय भ्रमण के दौरान दल ने इंदौर की स्वच्छता, जनभागीदारी और स्मार्ट सिटी योजनाओं की सराहना की। दल ने स्मार्ट सिटी कार्यालय, विभिन्न कचरा प्रबंधन स्थलों, नो-कार डे गतिविधियों, और इंदौर की इनोवेटिव परियोजनाओं की जानकारी प्राप्त की अंत में, सिटी सिटी कार्यालय पर महापौर पुष्यमित्र भार्गव से प्रतिनिधिमंडल की भेंट हुई। इस अवसर पर महापौर ने दल का पारंपरिक अंगवस्त्र और नगर निगम द्वारा प्रकाशित नागरिक पत्रिका भेंट कर स्वागत किया।

इंदौर बना स्वच्छता का आदर्श मॉडलः महापौर भार्गव

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने प्रतिनिधियों को बताया कि इंदौर की सफलता का मूल मंत्र है — जनभागीदारी, जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के बीच समन्वय, निरंतर नवाचार और नागरिक चेतना।उन्होंने कहा कि इंदौर में न केवल औद्योगिक एवं सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट की आधुनिक व्यवस्थाएं हैं, बल्कि पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के दिशानिर्देशों को भी कड़ाई से लागू किया गया है। महापौर ने जानकारी दी कि इन उपायों के चलते इंदौर की AQI में 60% तक की गिरावट आई है।

स्मार्ट सिटी सीईओ दिव्यांक सिंह ने किया प्रेजेंटेशन

स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के सीईओ दिव्यांक सिंह ने प्रतिनिधिमंडल को बताया कि किस प्रकार इवैलुएटिव मैकेनिज्म, रिसोर्स मैनेजमेंट, और नवाचार के माध्यम से इंदौर ने लगातार सात बार स्वच्छता में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने "नो कार डे", "भट्टी फ्री मार्केट", वेस्ट मैनेजमेंट "डिजिटल ट्रैकिंग", ग्रीन इंदौर, सोलर और मशीनरी आधारित कचरा संग्रहण जैसे मॉडलों पर प्रकाश डाला।

जनप्रतिनिधियों और एनजीओ की भूमिका को बताया महत्वपूर्ण

महापौर पुष्यमित्र भार्गव छत्तीसगढ़ के दल को बताया कि स्वच्छता के इस अभियान में एनजीओ और जनप्रतिनिधियों की भूमिका सेतु के समान है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इंदौर में न तो सड़कों पर नेताओं के बड़े-बड़े होर्डिंग होते हैं, न ही प्रचार पर अनावश्यक खर्च किया जाता है। उस धन का सदुपयोग स्वच्छता और नागरिक सुविधाओं में किया जाता है।

ऊर्जा संरक्षण के अनूठे प्रयोगः दो माह में 1.5 करोड़ यूनिट की बचत

महापौर ने प्रतिनिधिमंडल को बताया कि नागरिकों को इलेक्ट्रिसिटी सेविंग के लिए प्रेरित कर इंदौर ने सिर्फ दो महीने में 1.5 करोड़ यूनिट बिजली की बचत की, जो लगभग 18,000 वयस्क पेड़ों के बराबर है। यह नवाचार शहर को ग्रीन एनर्जी की ओर ले जा रहा है।

निगम की आय वृद्धि PPP मॉडल पर चर्चा

छत्तीसगढ़ के अधिकारियों ने नगर निगम की आय बढ़ाने के उपायों और PPP मॉडल के उपयोग के बारे में भी सवाल किए। महापौर ने उत्तर देते हुए बताया कि नागरिकों को उत्कृष्ट सुविधाएं देने से टैक्स में स्वाभाविक सहयोग प्राप्त होता है। PPP मॉडल तभी सफल होता है जब वह जनहित को केंद्र में रखकर लागू किया जाए।

जनप्रतिनिधि बनाम महापौर की जिम्मेदारियां

प्रतिनिधिमंडल द्वारा पूछे गए प्रश्न के उत्तर में महापौर ने स्पष्ट किया कि महापौर की जिम्मेदारियां सबसे व्यापक होती हैं — विशेष रूप में अपने दिन चर्चा में हर सप्ताह कम से कम तीन वार्डों का दौरा, इसके अलावा आमजन से संवाद, प्रशासनिक समीक्षा बैठकें, डिजिटलाइजेशन और सोलर सिटी के लिए नागरिक जागरूकता अभियान, ये सभी कार्य दैनिक कार्यसूची का हिस्सा हैं।

प्रतिनिधिमंडल ने इंदौर को बताया प्रेरणादायी

छत्तीसगढ़ से आए प्रतिनिधियों ने कहा कि इंदौर जैसे मॉडल से वे सीख लेकर अपने शहरों में भी इस तरह की योजनाएं लागू करेंगे।

ऐशबाग आरओबी

भोपाल में यातायात सुरक्षा के लिए पहले ब्रिज का होगा सर्वे, फिर खुलेगा रास्ता

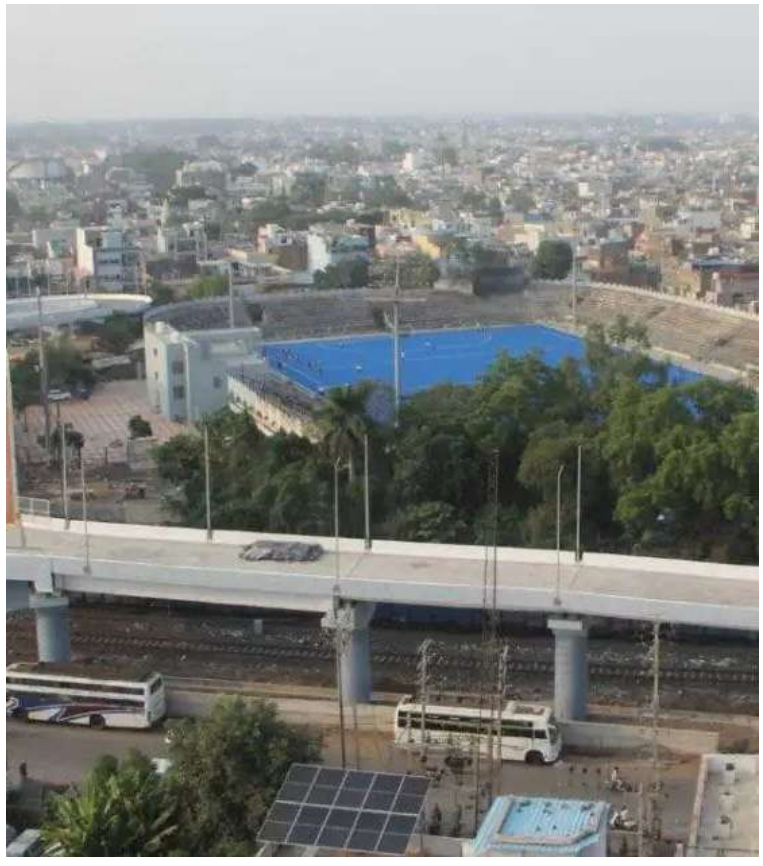

भोपाल - 90 डिग्री मोड़ के कारण देश में मजाक बने चुके ऐशबाग रेलवे ओवर ब्रिज (आरओबी) पर यातायात शुरू करने को लेकर कवायद शुरू हो चुकी है। जानकारी के अनुसार, यातायात सुरक्षा के लिए आरओबी पर सर्वे का काम शुरू होने वाला है।

लिहाजा इसके बाद ही आमजन के लिए पुल का रास्ता खोला जाएगा। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के पूर्व मुख्य अभियंता एके चिंडके द्वारा सुरक्षा उपायों को लेकर दिए गए सुझाव पर लोक निर्माण विभाग ने काम शुरू करने का मन बना लिया है। हालांकि रेलवे से 90 डिग्री के मोड़ को गोलाई देने के लिए अतिरिक्त जमीन को लेकर चल रही बातचीत पर लोनिवि और रेलवे के अधिकारियों ने चुप्पी साध रखी है। बता दें, बुधवार को रेलवे के अधिकारियों ने 90 डिग्री मोड़ को गोलाई देने के लिए रेलवे की तरफ की जमीन पर नापजोख किया था। इस बीच लोनिवि ने यातायात सुरक्षा को लेकर सर्वे कर सेफ्टी मेजर की तैयारियों को लेकर काम शुरू कर दिया है।

चार सदस्यीय दल कर रहा है जांच

भोपाल के ऐशबाग क्षेत्र में बने 90 डिग्री मोड़ वाले ब्रिज के डिजाइन को लेकर विभागीय जांच शुरू हो गई है। ऐशबाग पुल के निर्माण में जो भी जिम्मेदार होगा, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। जांच दल में दो मुख्य अभियंता और एक ईई समेत चार सदस्य हैं। मंत्री के निर्देश पर पीडब्ल्यूडी विभाग के चार अधिकारियों की जांच कमेटी इस ब्रिज के डिजाइन की रिपोर्ट पेश करेगी। लोक निर्माण मंत्री ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के जन्मदिन पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं के द्वारा उनकी फोटो दूध से नहलाने पर तंज कसते हुए कहा कि जब तक कांग्रेस में ऐसी परंपराएं जारी रहेंगी तब तक कांग्रेस का हाल नहीं सुधर पाएगा।

आरओबी में क्या होंगे सुरक्षा उपाय

* पुल बोगदा से पुल पर चढ़ते ही पहला स्पीड ब्रेकर बनेगा।
* 90 डिग्री मोड़ पर पहुंचने से पहले दूसरा स्पीड ब्रेकर बनेगा।
* मोड़ पर मुड़ने के बाद तीसरा स्पीड ब्रेकर मिलेगा।
* ऐशबाग से पुल बोगदा मोड़ पर आने पहले चौथा स्पीड ब्रेकर रहेगा।
* पुल से ऐशबाग की भुजा की तरफ उतरते वक्त पांचवां स्पीड ब्रेकर बनेगा।
* 90 डिग्री मोड़ पर पुल बोगदा से जाते वक्त सामने एक बड़ा आईना लगाया जाएगा।
* इसी तरह ऐशबाग की तरफ से आने वाले वाहनों के लिए मोड़ पर एक बड़ा आईना होगा।
* मोड़ पर यातायात संकेत लगाए जाएंगे, जिसमें अधिकतम सीमा 30 से 35 प्रति घंटा रहेगी।
* मोड़ पर ही दोनों तरफ से आने वाले वाहनों के लिए रेडियम पट्टियां लगाई जाएंगी, ताकि लोग पहले ही सतर्क हो जाएं।
* रेलवे क्रासिंग के ऊपर बने स्लैब पर 20 स्ट्रीट लाइटें लगाई जाएंगी।* पुल के त्रिकोण पर निचले हिस्से पर जमीन की तलाश चल रही है, जहां गर्डर डालकर पुल का मोड़ चौड़ा करने की तैयारी है।

इंदौर में मुख्य रेलवे स्टेशन के री-डेवलपमेंट का काम जल्द शुरू होगा

दैनिक रणजीत टाइम्स

इंदौर। शहर के मुख्य रेलवे स्टेशन के री-डेवलपमेंट का काम जल्द ही शुरू होने वाला है। सिंहस्थ तक नया स्टेशन शुरू संचालन के लिए तैयार होगा। निर्माण अवधि में मुख्य रेलवे स्टेशन से चलने वाली कुछ रेल गाड़ियाँ लक्ष्मीबाई नगर रेलवे स्टेशन से संचालित होंगी, जबकि मुख्य रेलवे स्टेशन से भी ट्रेनों का संचालन हो सकेगा।

निर्माण का ठेका अहमदाबाद की कंपनी को

निर्माण का ठेका अहमदाबाद की कंपनी को दिया गया है। इस प्रोजेक्ट पर साढ़े चार सौ करोड़ रुपये खर्च होंगे। रेल बजट में भी इसके लिए राशि आवंटित हुई है। नया रेलवे स्टेशन आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा और बिल्डिंग चार मंजिला होगी।

यात्री सुविधा पर फोकस

यात्री सुविधा पर भी रेल विभाग का फोकस रहेगा। निर्माण के दौरान रेलवे स्टेशन पर क्या परिवर्तन होंगे और कौन से हिस्से को बंद किया जाना है, इसे लेकर सांसद शंकर लालवानी शुक्रवार शाम को संबंधित विभागों की बैठक लेंगे।

नया रेलवे स्टेशन की विशेषताएं

नया रेलवे स्टेशन पचास साल की जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाया जाएगा। इसके लिए आसपास की जमीन भी ली जाएगी। निर्माण अवधि के दौरान प्लेटफार्म का उपयोग भी होता रहेगा, इसे लेकर वर्कप्लान निर्माण एजेंसी ने दिया है। लक्ष्मीबाई नगर रोड स्टेशन से भी कुछ ट्रेनों का संचालन किया जाएगा। नए स्टेशन की बिल्डिंग एयरपोर्ट की तर्ज पर बनेगी। भीतर शॉप, फूड जोन रहेंगे। यात्रियों के लिए आरामदायक फुट ओवर ब्रिज, एस्केलेटर, टिकट काउंटर, शेड बनेंगे। वेटिंग रूम पहले की तुलना में बड़े और आधुनिक होंगे।

काम जल्द शुरू होने की संभावना

लोकसभा चुनाव के पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंदौर रेलवे स्टेशन के निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया था, लेकिन अभी तक काम शुरू नहीं हो पाया। अगले माह से काम शुरू हो सकता है। सांसद शंकर लालवानी ने बताया कि नया रेलवे स्टेशन शहर के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

दैनिक रणजीत टाइम्स

जिला एवं तहसील स्तर पर

एजेंसी देना है

अपना बायोडाटा सम्पूर्ण विवरण के साथ हमें प्रेषित करें।

सम्पर्क करें

8224951278 :: 9827068888

जन्मदिन की अग्रिम शुभ सूचना

"रंजीत टाइम्स" में अब आप अपने या अपने प्रियजनों का जन्मदिन एक दिन पहले ही निशुल्क प्रकाशित करवा सकते हैं!

बस हमें भेजिए: 1 जन्मदिन मनाने वाले की फोटो

2 उसका पूरा नाम- 3 बधाई देने वाले का नाम जन्मदिन के एक दिन पहले ही विज्ञापन भेज दें, ताकि समय रहते प्रकाशित किया जा सके।

भेजने का नंबर (Aditya): 8224951278

रंजीत टाइम्स में आपका विज्ञापन पूरी तरह मुफ्त प्रकाशित किया जाएगा!
अपने जज़बातों को शब्द दें – सिर्फ रंजीत टाइम्स के साथ।
टीम रंजीत टाइम्स- "आपका अपना अख़बार, आपकी आवाज़"

रणजीत टाइम्स